Popular Front of India

G-78, 2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindi Kunj, Noida Road, New Delhi- 110025
fb: https://www.facebook.com/PopularFrontofIndiaOfficial/ website: www.popularfrontindia.org
email: popularfrontmail@gmail.com Tel: 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
22 फरवरी 2018

प्रतिबंध वापस लो; परेशान करना बंद करो
पॉपुलर फ्रंट महासचिव की झारखण्ड के गवर्नर व मुख्यमंत्री से अपील

झारखण्ड में राज्य सरकार द्वारा पॉपुलर फ्रंट पर प्रतिबंध के संदर्भ में, संगठन के महासचिव एम. मुहम्मद अली जिन्ना ने राज्य के गवर्नर और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, जिसमें महासचिव ने उनसे प्रतिबंध को वापस लेने और प्रतिबंध के नाम पर मेम्बरों को परेशान न करने और उन्हें निशाना न बनाने की अपील की है।

पत्र के कुछ अंशः

''हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया एक मान्यता प्राप्त और रजिस्टर्ड संगठन है जो एक दशक से ज़्यादा समय से आज देश के 17 राज्यों में काम कर रहा है। संगठन के पास ज़मीनी स्तर पर कैडर नेटवर्क है और उसे धर्म, जाति और दूसरी तमाम बुनियादों से ऊपर उठकर समाज के विभिन्न वर्गों के लाखों लोगों का समर्थन हासिल है।''

''हमने हमेशा भारतीय संविधान में दिये गए सेक्युलर व लोकतांत्रिक मूल्यों को न सिर्फ माना है बल्कि हमारी सारी गतिविधियाँ उसी दायरे में रह कर की जाती हैं। हम आदिवासियों, दलितों, ईसाइयों, मुसलमानों और समाज के सभी कमज़ोर वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए क़ानूनी, लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण गतिविधियाँ अंजाम देते रहे हैं। हमारे लिए सशक्तिकरण सिर्फ एक नारा नहीं है।''
''हमारी गतिविधियाँ केवल भारत के अंदर हैं। हम किसी भी बाहरी या अंदरूनी आंदोलन की विचारधारा के पाबंद नहीं हैं और न ही किसी विदेशी संगठन से हमारा कोई संबंध है। हम अपने मेम्बरों को आईएसआईएस जैसे रहस्यमय संगठनों से दूर रहने की ताकीद करते रहे हैं, क्योंकि हमें पूरा यक़ीन है कि ऐसे संगठनों के

विचार हमारे महान देश के मूल्यों के सरासर ख़िलाफ हैं। साथ ही हम इस दिशा में जनता को भी जागरूक करते रहे हैं। मीडिया के एक वर्ग ने हमारे कुछ सदस्यों के बारे में आईएस में शामिल होने की फ़र्ज़ी और मनगढ़ंत कहानियाँ फैलाने का काम किया, लेकिन देश की कोई भी जाँच एजेंसी ऐसी किसी भी रिपोर्ट के सच होने को साबित न कर सकी।''

प्रेस रिलीज़ के द्वारा प्रतिबंध की जानकारी दिये जाने के अगले दिन से ही, राज्य से इस तरह की ख़बरें आ रही हैं कि जिन क्षेत्रों में हमारा संगठन सक्रिय है, वहाँ पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट के मेम्बरों को निशाना बनाना और उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया है। संगठन के कार्यालयों पर छापेमारी, उन्हें सील करने और कार्यकर्ताओं को भयभीत करने की भी रिपोर्टें मिल रही हैं। मुहम्मद अली जिन्ना ने कहा कि पुलिस इस तरह मनमानी नहीं कर सकती, क्योंकि यह पूर्ण रूप से लोकतंत्र के पहलुओं और देश के क़ानून के ख़िलाफ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से न्यायिक तरीक़े से काम करने की अपील करते हुए कहा ''इसलिए हम आपकी सरकार से झूठी ख़बरों और फ़र्ज़ी बातों के आधार पर उठाए गए क़दमों को वापस लेने और संगठन पर से फौरी तौर पर प्रतिबंध हटाने की अपील करते हैं। अब जबकि आपके राज्य में हमारी गतिविधियाँ रोक दी गई हैं और हम क़ानून के अनुसार क़ानूनी हल तलाश कर रहे हैं, इसलिए हम आशा करते हैं कि आपकी सरकार प्रतिबंध के नाम पर हमारे मेम्बरों को परेशान नहीं करेगी।'' मुहम्मद अली जिन्ना ने किसी भी गलतफहमी को ख़त्म करने के लिए व्यक्तिगत तौर पर गवर्नर और मुख्यमंत्री से मुलाक़ात के लिए समय भी मांगा है।

झारखण्ड में प्रतिबंध के ख़िलाफ, पॉपुलर फ्रंट के कार्यकर्ता आज और कल झारखण्ड को छोड़कर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

डॉ० मुहम्मद शमून
डायरेक्टर, जनसंपर्क
पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
मुख्यालय, नई दिल्ली